बिहार में जनसँख्या घनत्व

Density of Population in Bihar

बोलेन्द्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक, भूगोल

बिहार के विभिन्न जिलों के क्षेत्र और जनसंख्या के हिस्से के विश्लेषण से आंशिक रूप से जनसंख्या के वितरण का पता चलता है। यह जनसंख्या के प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व के विश्लेषण से अधिक स्पष्ट हो जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार, प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व औसत 1102 रहा है। यह ध्यातव्य है कि राज्य की 2001 की जनगणना के दौरान प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व 880 था, जबकि 1991 की जनगणना के समय 685 था। बिहार राज्य के विभाजन और झारखंड राज्य के निर्माण के बाद, इस राज्य का घनत्व काफी बढ़ गया। चूँकि बिहार जनसंख्या के आकार के अनुपात में तुलनात्मक रूप से कम भौगोलिक क्षेत्रफल वाला है, जबकि झारखंड राज्य अपने हिस्से में आने वाले क्षेत्र की तुलना में बहुत कम आबादी है। इससे बिहार राज्य में जनसंख्या घनत्व में अचानक वृद्धि हुई है।

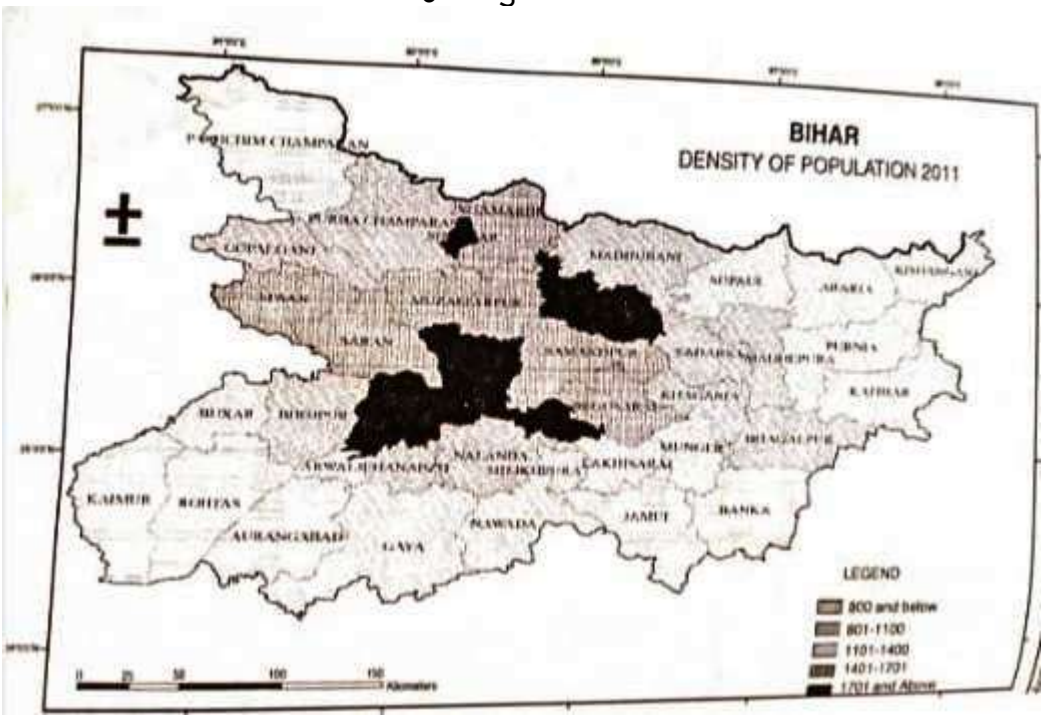

2011 की जनगणना के अनुसार बिहार राज्य में प्रति वर्ग किलोमीटर 1102 घनत्व है और यह राज्य अब देश के 28 राज्यों में आबादी के घनत्व में पहले स्थान पर है। अन्य सभी राज्यों में अलग-अलग घनत्व है। जबकि भारत के मामले में जनसंख्या का घनत्व 2011 की जनगणना 2001 के समय 325 के मुकाबले 382 है। तालिका में जनसंख्या के हिसाब से प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व वाले जिलों का पता चलता है।

तालिका 1991 से 2011 तक जनसंख्या के घनत्व में परिवर्तन का भी खुलासा करती है जो मुख्य रूप से जनसंख्या वृद्धि की दर और भूमि उपयोग प्रतिरूप पर निर्भर करती है। तदनुसार, घनत्व एक क्षेत्र से दूसरे में भिन्न होता है। 2001 में पटना जिला दरभंगा और वैशाली के बाद सबसे घनी आबादी वाला था। वर्ष 1991 में भी इन जिलों में समान स्थिति थी।

S. No.	District	Density per sq. km			Ranking in 2011
		1991	2001	2011	
1.	Sheohar	853	1478	1882	1
2.	Patna	1130	1474	1803	2
3.	Darbhanga	1102	1446	1721	3
4.	Vaishali	1054	1335	1717	4
5.	Begusarai	946	1225	1540	5
6.	Muzaffarpur	931	1181	1506	6
7.	Siwan	978	1223	1495	7
8.	Saran	974	1230	1493	8
9.	Sitamarhi	915	1169	1491	9
10.	Samastipur	936	1169	1465	10
11.	Pu. Champaran	767	993	1281	11
12.	Madhubani	809	1021	1279	12
13.	Gopalganj	838	1259	1258	13
14.	Nalanda	848	1007	1220	14
15.	Jehanabad	749	994	1206	15
16.	Bhagalpur	743	943	1180	16
17.	Bhojpur	725	937	1136	17
18.	Saharsa	665	894	1125	18
19.	Madhepura	659	854	1116	19
20.	Khagaria	664	862	1115	20
21.	Arwal		923	1099	21
22.	Purnia	562	788	1014	22
23.	Katihar	557	783	1004	23
24.	Buxar	670	823	1003	24
25.	Araria	569	763	992	25
26.	Munger	655	802	959	26
27.	Sheikhpura	610	763	922	27
28.	Supaul	557	688	898	28
29.	Kishanganj	522	688	898	29
30.	Nawada	549	726	889	30
31.	Gaya	536	698	880	31
32.	Lakhisarai	526	653	815	32
33.	Rohtas	498	635	763	33
34.	Aurangabad	466	609	760	34
35.	Pa. Champaran	446	582	750	35
36.	Banka	428	533	672	36
37.	Jamui	339	452	567	37
38.	Kaimur (Bhabua)	292	383	488	38

2011 की अंतिम जनगणना में बिहार का प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व औसतन 1102 रहा है। शिवहर के बाद पटना, दरभंगा, वैशाली, बेगूसराय, मुज़फ़्फ़रपुर, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, समस्तीपुर आदि जिले में जनसंख्या का उच्चतम प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व रहा है। 1901 के बाद से भारत की जनसंख्या के घनत्व की तुलना में इस राज्य का घनत्व अधिक है।

उच्च जनसँख्या घनत्व वाले क्षेत्र

वर्ष 2011 में बिहार के औसत से अधिक आबादी घनत्व वाले क्षेत्रों में शिवहर, पटना, दरभंगा, वैशाली, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, समस्तीपुर, पूर्वा चंपारण, मधुबनी, गोपालगंज, नालंदा, जहानाबाद, भागलपुर, भोजपुर, सहरसा, मधेपुरा और खगड़िया जैसे 20 जिले शामिल थे। । शहरी आबादी और उपजाऊ कृषि भूमि के प्रभाव के कारण पटना जिले में जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक है। कृषि भूमि और अन्य लाभों के कारण शिवहर जिले में बहुत अधिक घनत्व है। जनसंख्या के उच्च घनत्व वाले अन्य जिलों में शहरी आबादी के साथ-साथ उपयुक्त कृषि भूमि और प्रारंभिक निवास का प्रभाव है। आज भी जनसँख्या वृद्धि दर परिवार नियोजन के प्रति लोगों की कम जागरूकता और बड़े पैमाने पर गरीब लोगों के रहने के कारण अधिक है।

मध्यम जनसँख्या घनत्व वाले क्षेत्र

अरवल, पूर्णिया, कटिहार, बक्सर, अररिया, मुंगेर, शेखपुरा, सुपौल, किशनगंज, नवादा, गया, लखीसराय में प्रति वर्ग किलोमीटर 800 से 1100 व्यक्तियों की जनसंख्या का मध्यम घनत्व पाया गया है। इन जिलों में लोगों की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि आय पर आधारित है।

निम्न जनसँख्या घनत्व वाले क्षेत्र

जनसंख्या के प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व में तुलनात्मक रूप से कम होने वाले कुछ ही जिले हैं। इन जिलों में रोहतास, औरंगाबाद, पश्चिम चंपारण, बांका, जमुई और कैमूर शामिल हैं। इन जिलों में जनसंख्या का कम घनत्व कृषि के लिए अनुपयुक्त भूमि के कारण रहा है। रोहतास, जमुई, बांका आदि के ज्यादातर पहाड़ी इलाके काफी कम आबादी वाले हैं।

- **सन्दर्भ:** बिहार: लैंड, पीपुल एंड इकॉनमी, लुसेंट बिहार, विभिन्न प्रतियोगी पुस्तकें एवं इन्टरनेट